

ਮੁਕ

50901



50901

[illegible]

音。



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org











[illegible]

श्रीः



[illegible]



[illegible]



धृ॥ श्रीवृद्धदधि॥ गायं प्रकृतं श्रीपतिदेवता॥ गौरीशभा  
सुं मीनः नभः कीलकभा॥ श्रीपद्मजकभर्गो ह्यजे ए प विरियेगः  
उतिता ह्यनिः भृद्वृत्तभेग॥ श्रीवृद्धदधये नभः शिरभि॥ गायं  
प्रकृतं नभः॥ भाषे॥ श्रीग॥ पतिदेवताये नभः ह्यदि॥ गौरीएय  
नभः पदे॥ पुंसजये नभः पार्ये॥ नभः कीलकयनभः॥ उति॥  
प विरि॥ नभः॥ प॥ उति॥ ह्यदि॥ नभः॥ प्रकृतं नभः॥ गौरी  
धृ॥ श्रीवृद्धदधये नभः॥ गौरीशभा॥ पुंसजये नभः॥



श्रीः

भिकुं डें॥ गौं कनि धिकुं डें॥ गः कर उलकर पडुं डें॥  
ए॥ उडिका सुभः॥ सुषुषुषुः॥ गौं हलया युरभः॥ गौं मि मि भु  
द॥ गौं मि ए युरध ए॥ गौं कव ला य डें॥ गौं रे इ इ पा य रे ए॥  
गः सुभु य डें॥ उडि धन डें॥ सुषुषुषुः॥ गौं ग ए य डें॥ गौं  
तुं गी ह ल तुं रि रे इ व द डें॥ भन तुं डें॥ भन तुं डें॥ पर सुभ  
धक धक डें॥ द रि य ग ल रि॥ डें॥ डें॥ डें॥  
डें॥ डें॥ डें॥ डें॥ डें॥ डें॥ डें॥ डें॥ डें॥ डें॥



ॐ तिभालं भं प्रहृ॥ गभवि प्रं३ ॥ मे भालेइं॥ ॐ तिभह करे॥  
भालं ॥ दीइ॥ गां ऐं सुंग॥ प उध र भः॥ ३॥ उकी॥ ऐं सुंग॥ प  
उध र ॥ गां गां॥ ३॥ एगीवरं॥ ऐं कं तं गां भलं थं एं॥ ३॥ ऐं एल  
गां ॥ म रु रु मा पं वि भे न य॥ ३॥ शु द॥ ०॥ ऐं गुं गां ऊ न ऊ ल  
य शु द॥ ०॥ गां गी गुं ऐं गी रा॥ ग॥ म भु य॥ सु॥ द॥ भु य॥ रु उ र  
उ ल ॥ ३॥ म भु य॥ ३॥ ऐं सुं गां वं व रु उ॥ ३॥ म भु य॥  
रु रु गा॥ ३॥ म भु य॥ ऐं गां गां गां गां॥ ३॥ ऐं सुं गां॥



प्रीः

...क...  
...  
...  
...  
...  
...  
...







ਸ੍ਰੀ:

੧

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ॥  
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪ੍ਰਸਾਦ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਮ ਜੀ ॥  
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਮ ਜੀ ॥  
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਮ ਜੀ ॥  
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਮ ਜੀ ॥  
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਮ ਜੀ ॥  
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਮ ਜੀ ॥



ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥  
ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्रा ॥



श्रीः

हूं मूं भवभांडवधण॥ ऐं हूं मूं परभिकहंडूं॥ ऐं हूं मूं करि॥  
विकहंडवधण॥ ऐं हूं मूं कंगुलकरथधंडण॥ उडिकगडभः  
प्रषधदः॥ ऐं हूं मूं हृदयधरभः॥ ऐं हूं मूं मिगभधद॥ ऐं हूं मूं  
मिगयवधण॥ ऐं हूं मूं कवगयडूं॥ ऐं हूं मूं रेड्डययवधण॥ ऐं हूं मूं  
मूं प्रभुधण॥ उडिधदः॥ प्रषधरभः॥ ऐं हूं मूं लकहंडिहूं  
मिगयडूं॥ वगभिसूकयवधुभा॥ मिगयिडुं मिगयभद  
दल॥ हूं मूं उडिधदः॥ उडिधदः॥ मलभधुमीदेवधुव



गङ्गाङ्गा पद्मप्रपत्नीपत्रवेष्टुः भं ॥ ५८ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥  
पुङ्गवैणीभदि ॥ उक्ताः मारीप्रसिद्धाग ॥ उतितायंतीमप ॥ ५९ ॥ मनु  
भं ॥ ६० ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥  
उद्धीमः निकै विमदेभ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥  
उद्धीमः निकै विमदेभ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥  
उद्धीमः निकै विमदेभ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥  
उद्धीमः निकै विमदेभ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥  
उद्धीमः निकै विमदेभ ॥ उद्धीमः निकै विमदेभ ॥



ॐ

[illegible]















श्रीः  
ॐ

भेडा॥ श्रीकलत्रिभद्रधयेनमः॥ निरभि॥ इभ्रुकुम्भयेनमः॥  
भाप॥ श्रीमरिकेष्टुवमदेवेदेवउयेनमः॥ ह्रदि॥ ह्रींरीणयनमः॥  
गुहो॥ वंमउयेनमः॥ पाठयः॥ उ॥ कीलकयनः॥ ना॥ के॥ प॥ वि॥  
दे॥ गः॥ भव॥ दे॥ भ॥ उ॥ ति॥ व॥ भ॥ इ॥ त॥ भः॥ म॥ व॥ क॥ र॥ त॥ भः॥ वं॥ म॥ दु॥ भ॥ हं॥  
म॥ वं॥ उ॥ ल॥ री॥ हं॥ भ॥ द॥ वं॥ भ॥ प्र॥ भ॥ हं॥ व॥ ध॥ ए॥ वं॥ म॥ र॥ भि॥ क॥ हं॥  
हं॥ वं॥ क॥ वि॥ धि॥ क॥ हं॥ वं॥ ध॥ ए॥ वः॥ क॥ उ॥ ल॥ क॥ प॥ ध॥ हं॥ द॥ ए॥ उ॥ ति॥  
का॥ ट॥ भ॥ म॥ म॥ व॥ ध॥ व॥ न॥ नः॥ वं॥ ह॥ द॥ य॥ न॥ म॥ वी॥ सि॥ म॥ ध॥ द॥ वं॥ मि॥



॥ पायवधण ॥ वैक वसाय दै ॥ वै र इ प्रयाय वै धण ॥ वः अमु यदण ॥  
उतिधदः ॥ ॥ अ वष्टनम ॥ ॥ ॐ प्रलेकं के टि पूठ भिदु प्रकं क पाला ॥  
दुद गल भिदुभम ॥ ॥ कभ भिदुभम ॥ ॥ ॐ इ मां सु श्री व भदे वं  
मरं मया भि ॥ ॥ ॐ उतिधदुभन भयेष्ट ॥ ॥ गदु द पध ॥  
प्रपरेवैः भं प्रण ॥ ॥ व भदेवाय विदुदे म ॥ ॥ ॐ सुग यपी नाद ॥  
दुदः पूठ मया ग ॥ ॥ ॐ उतिधं वं व भदेवाय मः ॥ ॥ ॐ ॐ नं ॥  
ॐ वं व भदेवाय मः ॥ ॥ ॐ ॐ वं ॥ ॐ ॐ वं ॥ ॐ ॐ वं ॥ ॐ ॐ वं ॥



31:  
09



भायतुंभाय दिप्रतातः॥ यद्भुवि एगष्टुः॥ तमुनमुतवप्रराभा  
तंराभापमंरममप्रवडिल्लरभृपमंरममरिवडिः॥ इयल्लव  
केसिल्लिभृपयंयष विवकुंभितव मराभि॥ ७॥ तिमभाभृप  
भेडा॥ ७॥ तिमरीमरिक्कगपडदि रापविपिः॥ १॥ ततयं  
कुदग॥ १॥ तंष्टरभ्रनंगुडिः प्रसभृपंरपैरभा॥ भरभ्रनं  
गुडिचंभेदभ्रनंगुडिप॥ ०॥ गुडिचिदिदीरभृपयविडि  
जलभा॥ मवभृपजले साविभृपल्लेकाहृकम॥ १॥ २॥ ३॥



ॐ  
ॐ

ॐ गङ्गापङ्कज रम्य वसन्त गङ्गावती गङ्गा ॥ गङ्गापङ्कज रम्य वसन्त  
गङ्गावती गङ्गा ॥ श्रीभक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥  
क देव भक्त ॥ श्रीभक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥  
ॐ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥  
ॐ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥  
ॐ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥  
ॐ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥ देव भक्त भक्त भक्ति ॥







ऊयदंमदंमतिमममचेममेयेपष्टापुवउते॥ यषाहृप्रिःकषू  
षाउलेषउलभिवउंविमिहृममदमतिगुमभवपूहणगडय  
भङ्गपुष्पाणिपुनंदिःप्रमदिनीवृहमन्प्रकंसगहृगदउ  
भदिहृ॥ विमुहृ॥ प्राप्तिरिहृपुहृपुनकययंरुद्रगहृ  
पुमंभिभङ्गमिहृमचमष्टयत्रनिमभाणगडुद्रगहृ  
यंमुहृष्टिकमहृमभवैरुद्रपरभङ्गहृष्टउ॥ ठंमवदंम  
ठमिरुहृगपुनीकुहृ॥ परमदंममेवउ॥ दमिडिगीणभा॥ म  
॥ मजिः॥ मेदमिडिकीलहृ॥ पदहृमदेरुयैरेकविम







ਤਿਸੀ ਸਾਨੇ ਸੁਣ ਸਾਨੇ ਮੇ (ਏਵੈ ਗੁੰਝੇ ਮੇ) ਸੁਗੁਣ ਵਖੁ ਕਲਿ ਕਯੰ ਖੁਪੁ  
ਲਿਖੇ ਮੁਖਿ: ਪੁਸ਼ਟ ਗੋਤੀ ਪੁਸ਼ਟ ਦੰ ਮੇਰੇ ਲੀਨੋ ਕਵਤਿ॥ ਤਦਾ ਤੀਤ  
ਖਮਰਾ ਰਾਮ ਰਾਘ ਪੇਖ ਮੰਦਰ ਮਿਟਿ ਠਿਠੀਯਤੇ॥ ਚੰਦ ਮਚੰਦ ਮਵਸਾ ਤਮ੍ਹ  
ਮੁਰੇ ਵਿਸਾ ਦਤੇ ਮਾਧਵ ਰਾਘ ਪਕੈ ਏਤਾ ਮੁਰ ਕਵਤੇ ਚੰਦ ਮਚੰਦ ਮਵਸਾ ਤਾ  
ਨੇ ਸਮਾ ਵਿਧਿਐ ਯਤੇ॥ ਸਿੰਘੀ ਤਿ ਪ੍ਰਥਮ ਸਿਧਿ ਸਿੰਘੀ ਤਿ ਤਿਤੀਯੰ ਪ੍ਰਥਮ  
ਰਾਮ ਰਾਘੀ॥ ਸਿੰਘੀ ਰਾਮ ਰਾਘੀ॥ ਪਦਮ ਮੁਖੀ ਰਾਮੀ॥ ਪਦਮ ਮੁਖੀ ਰਾਮੀ॥  
ਤਮ੍ਹ ਵੇਰਾ ਰਾਮੀ॥ ਸੁਖ ਮੁਖੀ ਰਾਮੀ॥ ਰਵ ਮੇਰੇ ਗੀਰਾਮੀ॥ ਰਵ ਮੇਰੇ ਗੀਰਾਮੀ॥  
ਰਵ ਮੇਰੇ ਗੀਰਾਮੀ॥ ਰਵ ਮੇਰੇ ਗੀਰਾਮੀ॥ ਰਵ ਮੇਰੇ ਗੀਰਾਮੀ॥ ਰਵ ਮੇਰੇ ਗੀਰਾਮੀ॥



श्रीयोगेश्वरम् ॥ श्रीयोगेश्वरं याति सत्कर्मभक्तमिरः ॥ ५  
सुमेधवते उन्नपष्टभक्तनिष्ठवत् ॥ मधुमेधुर्विष्णुपरा  
मातृषुम् ॥ अमृष्टं वमं देदं सिद्धयद्गुणभलम् ॥ मम  
परमं वदं कवेदुद्गमविष्णु ॥ उम्भिन्मने विलीयते भक्तियुक्त  
कल्पविकल्पे मयुः पृष्टपापमममिरः यत्तु ॥ ६ ॥ वरुणः ॥  
ध्रुवं हृदिः सुमेधवम् निरुद्धः मातुः एकं मत्तु ॥ ७ ॥  
मनं वेदप्रवसं ॥ ८ ॥ उति परमदं येषु सिद्धयः ॥ ९ ॥











ॐ श्री गुरुवे भगवन्तु उपयै नमः ॥ ॥ ॐ ह्रीं गेमा रवर वृगा रु  
मय गैव भुगल मे भवः मद्गु गुगव भू भी गम मकं हृण्य  
महुं हृक भ ॥ मिह्वैष विभच मजि भदि उं प हुं भ ह्रवलि  
हृके सा कग न्न निय भु भदि भ उं रे इरा धं भु भः ॥ ० ॥ ॐ नो  
भि भ्रा इ प्र क स प्र म भि उं वि ध भ लै म ग मिं भ दे मं व श्रे वा  
म व रं उं क रं उं कि न य भ्र ल उं व स उं यः ॥ वि प्र गृ भ  
प्र व मि रं व रु म रं नो मि वि प्र णि ग एं म उं प्र ग्री ह भ कं

श्री.



गुरुवरभपरं सुनमं प्रपद्ये ॥१॥ ॐ ह्रीं भः पवित्रक यम  
उतिपवित्रं गयेत् ॥ ॐ नमः भिमदुर्गमां तुं प्रहृष्टं मिव तु  
पि नमः ॥ मिरभर्ये गपी० भुं भक्ति कभक्त मिदुये ॥ ॐ बुद्ध ॥ उम कभक्त भये  
मि करं गीतं भुमद्वरं विदुः नमः ॥ नमः भिपयं भमं भुम  
मं वीरय कभ ॥ ॐ इति पद्मनयनं देवं रात्रिं कृत्वा भूमिं उमा  
मदुर्गेति पूजि कं मं मद्रवतु मे पय नमः ॥ ५॥ ॐ नमः  
हं मद्रगे नमः भक्ति उमा ॥ वसिष्ठे नमः भुमं मे नमः ॥ ६॥ ॐ वि



गणितभा॥ कपालमाला॥ अष्टपिण्डकणवि॥ भा॥ पामा  
 दुमपगं देवं मरदमुपिरकिशभा॥ वरादठयदमुमभ॥ अष्ट  
 दुपगि॥ भा॥ वी॥ अष्टभरुदमुमपा॥ अष्टदमुदिपुलिरभा॥  
 वल्लभ॥ अष्टदमुपिपगमुयपदमुकभा॥ भुष्टे॥ विमिष्टे॥  
 पठे॥ अष्टविगणितभा॥ भिंदमप्रगीणरंगणमष्टे॥ दुरीयक  
 मरु॥ अष्टदमुपिपगमुयपदमुकभा॥ अष्टदमुदिपुलिरभा॥  
 अष्टदमुपिपगमुयपदमुकभा॥ अष्टदमुदिपुलिरभा॥

श्री.  
 ३



ॐ भा॥ मदि ॐ तु विररी या द्रु मं मे व वि मि तु ये ॐ ॥ मदि  
भी ऊ भ म प्रा एं ऊ ऊ भ मे क म वि ऊ भा॥ मद्रु दु प ५ डी क मं  
पा नि मं ड वि मि तु ये ॐ ॥ अ ऊ ऊ ठै र वं मे वं म च क म ठ ल ॐ  
ए ये डै य भु य ऊ ऊ द्धि प्रं मि तु डि भां र वः ॥ प चं य भ म य  
ए उ ट्टु प्पे ग म जि रु ड भा॥ या रु मं ठै र वं ऊ पं ड भु भु म म  
म व दि ॥ ठै र वं पु ए यि द्ध ड उ उ भु ऊ ऊ ग ड म ॥ मं  
ल व मं ग भूी ग वि प्र ल भ र भा॥ पु म नं भु म नं पु ए डै र वी वि



श्री



ॐ॥ विष्णु कडुपविष्णु विष्णु भजा मि कर ॥ परप्रकमव  
प्रपंरभः प्रकमकैवभा ॥ प्रपंडप्रभागतंपरिवरभुके  
वड ५ डिभभाणी कर ॥ उड प्रपमरुडउडुडयडुड  
कुविभंभिकुड ॥ येडुड विप्रकडुडभुरभुडुमिवल्लय ॥ पा  
कुदडिडये ॥ कुभिगाडरा ॥ उलडये ॥ उडिडभुड ॥ विर  
मधुवल्लेकरयिडरा ॥ केएकठिडमठिडिडिडिडि  
विप्रडुडुडुडयिगेवरगमभडुयविडरा ॥ प्रलेरकरभुडि



विणय॥ लिङ्गभङ्गं च कुडि कुलभङ्गं यामेदमालभु गेमकप्र  
 रकुङ्कुभङ्ग॥ मेधल्लद उङ्कुवर सुभ्रवर विमलीकरल्ल  
 विष्टयेदं यमर मिणगल्ल विणय॥ वहुभाल्ल उमं कुदउ  
 उहृषा॥ लं गेमकं करे भिरभ॥ उडिभङ्गे ल्ल सुसुदुपुल्ल वयं सु  
 मसपुल्ल वेञ्जायकलं यावद्दु वि ल्ल रमप्र एरचदिः द्विपेउ  
 उं वपुसकं करे भिरभ उडि वेउं सुसुं पुल्ल वयं मड चिमडि  
 पुल्ल वेञ्जायकलं यावद्दु उचभनभा प्र एरप्र वेमयेउ॥ उं गं॥

श्री.  
 २



ऊभकं करीभिरभः॥ उभेवपु॥ वायं एलकृतुऊभवम  
मलभिकृष्टधुमिडु॥ वेज्ञाकलंयवमनुविरोपयेता॥ यं  
उच्चरेमकं करीभिरभः॥ ७ उउभेवऊभितंदरुऊऊऊम  
एवद्वरुऊऊऊम॥ वेवमऊऊऊ॥ मनेः मनेचाभन  
भाप्रएनरदिः छिपेता॥ उउउच्चरेमकः॥ उंदंऊमऊऊ  
ऊपयाभिरभः॥ रुऊऊऊभितमऊऊऊअऊऊपुऊऊविऊऊ  
गुगककगंदरुऊऊऊलऊमएवद्वरुऊऊऊऊम



इममात्रेविरियेष्ट॥भनेदसुगवम्रीचिलेष्टपरतडेविल  
 एमुतेमरीरंष्टा॥अहम्यागमुद्विः॥मषकुलमरीरमु  
 विः॥मेषप्रदिणरप्रमिठिःऊदग॥हं॥उभंतंमेषय  
 मिरमः॥७डिभमरीरंमुकुंतनकुपंमिनुयउ॥पाजिवी॥हं  
 उभंतंमदयाभिरमः॥७डिमहि॥पादकुपुकुल॥  
 निभक्तिउष्टा॥उहलठिःमराहृहृउरंमरीरंठभ्रीकुतं  
 ठवयेग॥सुयेयी॥सुउरेनद्रवनंकरोभिरमः॥७डिमरीरं

म्री











प्रमप॥ दंभुतयेरभः॥ उतिसेउंभुतिंभुति॥ हंरंमारभ  
त्रैभः॥ यंतुमुनपवकुयरा॥ रंभुपैरदुपयपरभः॥  
वंवभमेवगुकुयरा॥ लंभुहैएउभुतयेरभः॥ उतिम  
ठलि॥ हंरंमारवकुयरा॥ रंमार॥ यंतुमुनपवकुयरा॥  
प्रच॥ रंभुपैरवकुयरा॥ मलि॥ वंभुमेववकुयरा॥  
उउग॥ लंभुहैएउवकुयरा॥ पलि॥ उतिम'ठलिः॥  
हंउगमिहः॥ रंमारकल'हैरभः॥ भवि॥ यंमाउमिहभुं



आप

मधकल'हैरमः॥ नमयो॥ गंतुममिहः श्रयैरकल'हैरमः  
नमयो॥ वंगएदिहैरममेव'ला'हैरमः॥ गुह्य॥ लंभममिहः  
महैरउकल'हैरमः॥ उहधु'इमकल'हैरमः॥ महुपे  
विभुः पुएपहु'इमपुहः॥ ऐंमिवउडुयप्रवि॥ ऐंमममि  
व'इय'रमः वइ॥ ऐंयंगउडुय'रमः क'इ॥ ऐंविहउडुय  
रमः नमि॥ ऐंम'या'उडुय'रमः र'इ॥ ऐंकल'उडुय'रमः गुह्य  
ऐंनिय'उडुय'रमः कुवै॥ ऐंप'रुध'उडुय'रमः एव'रै॥ ऐंप

श्री  
१



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



三



हृमहृमहृयपासुपडभृयठण॥ उहृमपहृरकाहृमं  
दहृमंविणय॥ अत्रः पडलंवावमुलंहापुपगममेक  
मेव॥ भवतः मवमवहृरेममुमहृपुपहृरमः॥ उडिहृम  
कलठपुरकभुभलभा॥ उहृमगपेवविहृमण॥ उडिहृवी  
भलं॥ वहुलिहृववड॥ उहृमदहृययमः॥ उहृदीमिगम  
भद॥ उहृमिपायेक॥ उहृदेकवा॥ उहृदंरे॥ उहृदःभद  
यठण॥ उहृविभुकेकुपडिणं॥ उहृविहृलभुमहृ



व'यनभः॥७॥तिरिक्कलत्रलं॥व'श'ष्ट'इ'रिममेवीवउ॥७॥  
कंभकल'मं'रिक्कल'मं'द'द'॥म'प'रे'ग्रीललाए'रि  
उ'॥म'र'याग'अ'प'इ'अ'अ'प्र'ए'उ'भी'स'ग'द'अ'व'र'य'अ'द'अ'  
उ'द'ष'॥र'म'य'म'अ'पु'य'॥मि'॥मु'ल'त'॥मि'ए'म'ए'म'य'॥क'  
न'म'प'न'मि'क'य'॥र'इ'क'री'य'॥म'भ'र'प'॥म'ष'मे'द'र'म'॥  
र'म'य'र'म'य'म'म'मि'ग'॥मि'॥मि'वि'॥मि'॥मि'ए'य'अ'ड'मि'प'  
म'र'क'व'म'अ'य'य'भु'ष'॥र'इ'ड'र'इ'य'उ'म'म'भ'म'च'म'गी'ग'भा



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



श्रीः

उल्लं॥ गंमिपिवादनठैरवयनमः॥ भएभयं॥ छंकोणगण  
ठैरवयनमः॥ मराभिकयं॥ भंविक्कालठैरवयनमः॥ कसिपु  
कयं॥ लंभमठैरवयनमः॥ वाभकविपिकयं॥ वंभेप्यनमठै  
रवयनमः॥ मराभिकयं॥ मंभेभगणठैरवयनमः॥ भएभयं॥  
कुंविहगणठैरवयनमः॥ मउल्लं॥ मपिरेसुदेनमः॥ वभयु  
पु॥ उउएयं॥ वाभापएकेडिहयं॥ वंभनमिहइ॥ भनमः॥ पड  
मभरीयाउप्रममभलठैरवयनमः॥ अदरकुडलभकुएउप्रगइड

श्रीः  
०



नीयापरीयप्रधमलुताबुलपदुम'ध'म'प'व'म'म'भरीय  
विठ'र'क'इ'म'भ'र'उ'गी'उ'ए'प'म'भा'पि'दे'भा'दि'मि'भ'उ'पुं'ठ'  
व'ये'उ'॥ उ'उः मि'व'द'सुं'उ'द'उ'॥ मि'व'भ'म'भ'उ'भ'म'म'क'उ'  
ल'भ'इ'ह'व'ग'उ'॥ उ'ं'भ'भ'म'ल'प'र'भः व'भ'क'॥ भ'द'भ'  
ल'य'र'भः म'द'॥ उ'क'र'भ'प'भ'इ'प'उ'मि'उ'म'क'ग'दि'उ'  
उ'भ'भ'र'य'म'र'भ'इ'भ'व'इ'भ'ल'भ'प'ए'॥ भ'ल'भ'न'रा'दि'उ'भ'  
वि'प'भ'ी'क'ग'प'मि'द'इ'॥ द'द'य'भ'प'ण'भ्रि'भ'उ'भ'मी'य'रा'



मोषरु पषा विमुं ठे मयिइ॥ भवगुक्ति विमरु पुचंपरमंण  
 मरुम मातुभा विमुं कगभुम इविगुद भवमवयुयेउ॥ उडिदुम  
 यादुमके॥ इम मातुंगाद सुद पुकग गयण अइम मातुंरु  
 मयंगमके॥ प्रविमु॥ प्राः प्रगके॥ उरेवपषा भदुम यंप्रवि  
 मंत्रपोगभुं मचडरु पकइर एयि मिडिभइम इडुं ए  
 मडुगा॥ इरिप्रलंपालिं विरुव॥ मदि॥ दउदुमिउ  
 पयंग॥ वभा मदि॥ दमुप्रभं इमदि॥ दमुं भमिगमि

श्री  
 ७



[illegible]







कटपिः॥ गायत्रं सुक्तः॥ श्रीगालपडिदेवत शुद्धरः पष्ट  
कं सुक्तं श्रीगालपडिभक्तुणपविसियंगः॥ छे सुंगंगालपड  
येनमः॥ छे सुंगंगालपडिवलठयेनमः॥ छे सुलं॥ छे गं  
मस्तु॥ रुम॥ गाउल॥ मिम॥ पुंम॥ मिणये॥ गैमराभि  
कवमाय॥ गैकविष्णु॥ रेइहे॥ गः क॥ ल॥ मभूयठट॥  
छे सुल॥ क॥ ग॥ भाविम॥ म॥ म॥ छे सु॥ प॥ म॥ म॥  
वः पू॥ प॥ र॥ र॥ व॥ ल॥ म॥ म॥ म॥ प॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥



[illegible]



[illegible]



ॐ नमो भगवते ॥ मित्रायै ॥ ॐ नमो भगवते ॥ कवयै यदुभ  
 ॐ नमो भगवते ॥ रेडेहो ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥

प्री



एगं॥ उं वक्रुपय विद्रुदे के एगं व यणी भदि उत्रे पोरः ५  
मोयया उ॥ ३॥ उ डिगा यत्री॥ उं अ मु श्री अ पोर सु भ मरु ए  
॥ वा भ मे व ॥ ॥ अ व पु क्रुः ॥ श्री व क्रुपः मि व ॥ ॥ अ  
॥ अ भ म ॥ ॥ व ॥ सु क्रुः ५ ॥ व क्रु श्री मि व श्री ॥ ॥  
अ अ पोर सु भ मरु ए ए प वि नि यो गः ॥ उं हं अ पोर सु  
॥ अ व पोर पोर उ र सु ॥ भ व ॥ म व भ व ॥ अ सु क्रु सु क्रु प  
हुं हुं र भः ॥ ॥ अ लं ॥ उं अ पोर सु भ व अ र ह म य य र भ



ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥  
मिपयैवोधए॥ ॐ भवतः मत्तभवतः पिद्मलपकवमाय  
द्रभा॥ ॐ एंभः एंतीकुपयनेइहं वधए॥ ॐ मिभुमद्रुता  
हं रुद्रयपपुपउभुययए॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥  
षुहंरभः॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥  
मिपयैवोधए॥ ॐ भवतः मत्तभवतः पिद्मलपकवमाय  
द्रभा॥ ॐ एंभः एंतीकुपयनेइहं वधए॥ ॐ मिभुमद्रुता

श्री  
०५







ययनभः॥ उं दी मिग्मभ्रद॥ उं रुमिपायैवधए॥ उं वं क  
वमयदं॥ उं दे रे रे हं वं धए॥ उं रुः श्रभ्रयदए॥ गुह उि  
गुह गे पुं ग द ल भ्रद उं ए पभा॥ मिद्रि रु उ म दे व द  
भः म दे व र॥ श्रप नि क्ल ल पु र क भ॥ उं व श्र क उ प वि  
म वि श्र भ ग मि क र ॥ प र प क स व प्र धं व भः श्र मु र रु र  
उ ति ए र॥ उं प्र भ श्री नि क्ल ल श्र ग भ र ए भु म म सि व द  
वि भ्र क मः॥ म श्रि द न म भ्र उ पः प र भ सि व द ॥ म म व उ

श्री  
०८



श्रीसिवप्रीडजं॥ निष्कलठपुरकभट्टणपविनियोगः॥ छे  
परमदभयविष्णुदेभददंभायणीभदि॥ उत्रःसिवः पूमे  
याग॥ ३॥ छे निष्कलधक्कठैरवायरभः ३ छिभलभ  
भदंभदुष्टुहंरभः॥ छेदीउलनीहं॥ छेदुंभपुमाहंभः  
श्राभिकहं॥ छेदंकरिषू॥ छेदः करउलपुष्टुहंभः  
रदम्यायरभः॥ छेदीमिरभभाद॥ छेदुंभापयैवधर्ष  
छेदंकरवण्डु॥ छेदंनैइहंवीवर्ण॥ छेदः श्रभूयठ। ए







डिप्रभुग्रीदेवत॥ श्रीदेवी श्रीहज॥ एपाविरियोगः॥ उं ह्रीं ह्रीं ह्रीं  
 भद॥ डिप्रभुग्री श्रीपादकंठे नमः॥ उं ऐं ल्रीं भोः॥ म॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं  
 ह्रीं ह्रीं ह्रीं नमः॥ उं ऐं ल्रीं भोः॥ उलरी॥ उं ऐं ल्रीं भोः॥ भृष्टभृष्टभः॥  
 ह्रीं ऐं ल्रीं भोः॥ अगा॥ भो॥ उं ऐं ल्रीं भोः॥ कुरिषूक॥ उं ऐं ल्रीं भोः॥  
 नृपाष्टुं नमः॥ एवंदुमयचमः॥ उं दुमयचमः॥ भिर  
 न॥ द॥ मिपायेवधए॥ कवमायदभ॥ रेइहृवधए॥ भृष्ट  
 यठए॥ एपाष्टुं नमः॥ मवृष्टुं नमः॥ गद॥ पुष्ट



Ass N: →

उमो न न्या जो वक्तुः ।

यञ्चभञ्चकुपंमउउमिउभा॥॥॥॥ वैअभुमीलद्वावाभमेवभउ  
भ॥रगमपिः॥गयइकुमः॥मीलद्वावाभमेवमेवउ॥मी  
विफुपीइऊमीरापेविनियोगः॥॥











SERIES